लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 August 2023

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

आर्ट्स कॉलेज से निकले अनगिनत 'रत्न': जयकृष्ण

- कला महाविद्यालय का गौरवशाली महत्व व योगदान है : भूपेंद्र अस्थाना
- याद किये गये मूर्तिकार सैयद अफसर मदद नकवी

लखनऊ (एसएनबी)। 20वी सदी के एक प्रमुख मूर्तिकार सैयद अफसर मदद नकवी के 90वीं जयंती के उपलक्ष्य में सप्रेम संस्थान ने उनकी स्मृति को ताजा किया। चित्रकारों ने लखनऊ कला महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को साझा किया। बताया कि इस कालेज से कितने रत्न निकले हैं जो दुनिया में कला को जीवन्तता प्रदान कर रहे हैं।

नक़वी का संबंध लखनऊ कला महाविद्यालय से 1960 से रहा जब वे इस महाविद्यालय के छात्र रहे । 1962 में पाकिस्तान चले गए थे। वरिष्ठ कलाकार जयकृष्ण अग्रवाल ने कहा कि नकवी हमवतन होने के साथ-साथ मेरे अच्छे मित्र भी थे। सरहद पार जाने के उपरांत भी वह अपनी जमीन को भुला न सके। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ का इतिहास शुरू से ही समृद्ध रहा है। महाविद्यालय के गौरव और महत्व को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत से ही बड़ा महत्व दिया गया। इस महाविद्यालय से न जाने कितने ही अनगिनत कला के रत्न निकले और वे इस महाविद्यालय की सुंदर क्षवि को अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ले गए और आज भी इस महाविद्यालय के नाम को ऊंचा कर रहे है। आज भले ही हम इस महाविद्यालय के अस्तित्व को नही बचा पा रहे है लेकिन कल अगर कला इतिहास को लिखा जाएगा तो इस महाविद्यालय के योगदान और यहां के कलाकारों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अवश्य दर्ज किया जाएगा। महाविद्यालय ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका कला मे दिया है अब यह ज़िम्मेदारी हम कलाकारों की अवश्य बनती है की उसके योगदान को भूलने न दें और उसकी क्षवि और अस्तित्व को धूमिल के बजाय उसे सवारने मे भूमिका निभाए और महाविद्यालय के प्रति अपनी क्षमता अनुसार बचाने में कोशिश करें। हम इस महाविद्यालय से जुड़े एक महान विभूति को उनकी 90वी जयंती पर याद कर रहे है जो एक मूर्तिकार रहे और अपनी मूर्तिशिल्प से दूर देशों मे इस लखनऊ कला महाविद्यालय से सीखे हुए हुनर का सुंदर प्रदर्शन किया। वे महान विभूति थे मूर्तिकार सैयद अफ़सर मदद नक़वी। सैयद अफसर मदद नकवी (10 अगस्त 1933 - 11 जनवरी 1997) 20वी सदी के एक प्रमुख मूर्तिकार थे।

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू के नए कैम्पस में रविवार को विदेशी छात्रों को दी गई विदाई। ● हिन्दुस्तान

विदेशी छात्र बोले, एलयू बना हमारा दूसरा घर

लखनऊ। एलयू के न्यू कैम्पस में पढ़ने वाले 21 विदेशी छात्र-छात्राओं को रविवार को विदाई दी गई। वूसी की ओर से ग्रेजुएशन सेरेमनी विश्वकर्मा सभागार में हुई। यहां विदेशी छात्रों ने माना कि अब भारत में लखनऊ विश्वविद्यालय उनका दूसरा घर हो गया है। अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, मोरक्को, तंजानिया के छात्रों ने अपने देश की लोककलाओं से परिचित कराया।

JAGRAN CITY PAGE III

अनुपस्थित विद्यार्थियों को ई-मेल से भेजी जाएगी सूचना

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से कक्षाओं में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति को लेकर अब और सख्ती की जाएगी। इसके लिए अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रोफेसर विभूति राव ने अपने सभी विभागाध्यक्षों को इस संबंध में निर्देश भेजे हैं। अनुपस्थित रहने वाले छात्र-छात्राओं को ई-मेल, फोन या पत्र भेजकर समय से इसकी सूचना दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्नातक और परास्नातक स्तर पर सभी छात्र-छात्राओं को उपस्थिति के बारे में सूचित करने के लिए कहा गया है। कम उपस्थिति की वजह से परीक्षा फार्म भरने में हो सकती है, जिससे छात्र-छात्राओं के करियर पर असर पड़ेगा। इसका असर छात्रवृत्ति से जुड़े मुद्दे पर भी पड़ेगा, क्योंकि यहां भी विद्यार्थियों की उपस्थिति कम से कम 75 प्रतिशत होनी जरूरी है। अधिष्ठाता ने विभागाध्यक्षों से नियमित कक्षाओं का आयोजन और कक्षाओं की साप्ताहिक निगरानी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है।

भर्ती छह को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी बीएन एनसीसी बटालियन में कैडेट्स की भर्ती छह सितंबर को सुबह सात बजे से शुरू होगी। इसमें लखि एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (एनईपी) के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से इसका नोटिफिकेशन वेबसाइटwww.lkouniv.ac.in पर जारी किया है। सभी विद्यार्थियों को लोवर टीशर्ट और स्पोर्ट्स शूज में आना है। भर्ती विश्वविद्यालय के शिवाजी मैदान में होगी। नामांकन प्रक्रिया में फिजिकल, लिखित और साक्षात्कार होगा। पुरुष कैडेट्स की 800 मीटर दौड़ तथा महिला कैडेट्स की भर्ती की लिए 400 मीटर दौड़ होगी। (जागरण)